



### 9. एकांकी के आधार पर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

**उत्तर:-** रामस्वरूप — आधुनिक और प्रगतिशील विचारधाराओं से संपन्न परन्तु एक मजबूर पिता हैं। वे एक तरफ़ तो स्त्री-शिक्षा के समर्थक हैं परन्तु बेटी के विवाह के समय यही शिक्षा वे छिपाने का प्रयास करते हैं जिससे उनकी विवशता तथा कायरता झलकती है।

रामगोपाल — रामगोपाल निहायती चालक, बड़बोले — लालची और पढ़े-लिखे होने के बावजूद स्त्री-पुरुष की समानता में अविश्वास रखनेवाले व्यक्ति के रूप में उभरते हैं। इसी कारणवश वे अपने मेडिकल में पढ़ने वाले बेटे का विवाह कम पढ़ी-लिखी लड़की से करवाना चाहते हैं। वे विवाह जैसे पवित्र रिश्ते को भी बिजनेस मानते हैं इससे उनका लालची स्वभाव पता चलता है।

### 10. इस एकांकी का क्या उद्देश्य है ? लिखिए।

**उत्तर:-** रीढ़ की हड्डी एक उद्देश्यपूर्ण एकांकी है। इस एकांकी के उद्देश्य निम्नलिखित हैं —

- 1) यह एकांकी स्त्री-पुरुष समानता की पक्षधर है।
- 2) लड़कियों के विवाह में आने वाली समस्या को समाज के सामने लाना।
- 3) बेटियों के विवाह के समय माता-पिता की परेशानियों को उजागर करना।
- 4) स्त्री -शिक्षा के प्रति दोहरी मानसिकता रखने वालों को बेनकाब करना।
- 5) स्त्री को भी अपने विचार व्यक्त करने की आज़ादी देना।

**11. समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते हैं ?**

**उत्तर:-** समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु हम निम्नलिखित प्रयास कर सकते हैं —

- 1) स्त्री शिक्षा में हमें योगदान देना चाहिए।
- 2) अपने समय की महान एवं विदुषी स्त्रियों का उदाहरण समाज में प्रस्तुत करना चाहिए।
- 3) उसके मान-सम्मान का ध्यान रखना चाहिए।
- 4) मिडिया आदि द्वारा उसके अस्तित्व की गरिमा बनी रहे यह देखना चाहिए, अश्लील चित्र आदि पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।
- 5) लड़के और लड़की को समान अधिकार मिलने चाहिए।
- 6) हमें महिलाओं को हीन दृष्टि से नहीं देखना चाहिए।
- 7) महिलाओं को उचित सम्मान देना चाहिए।
- 8) महिलाओं को अपनी इच्छा अनुसार हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन देना चाहिए।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*